[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.	

ASME-23B-ESSY

ESSAY (COMPULSORY)

निबन्ध(अनिवार्य)

Time Allowed : Three Hours निर्धारित समय : तीन घंटे	Maximum Marks: 1 00 अधिकतम अंक : 100

Question Paper Specific Instructions
प्रश्न पत्र विशिष्ट निर्देश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

1. The ESSAY must be written in ENGLISH or HINDI.
   निबंध अग्रेजी या हिन्दी में लिखा जाना चाहिए ।

2. Answers must be written in legible handwriting.
   उत्तर सुपाठ्य लिखावट में लिखा जाना चाहिए ।

3. Word limit, as specified, should be adhered to.
   प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द संख्या के अनुसार होने चाहिए ।

4. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet (QCAB) must be clearly struck off.
   प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ट अथवा पृष्ट का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे को स्पष्ट रूप से काट दीजिए।

5. There is no provisions of Re-evaluation / Re-checking of Answer Booklet.
   उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच का कोई भी प्रावधान नहीं है।

Sleepy Classes IAS Awakening Toppers

Write two Essays, choosing one topic from each of the following sections A and B, in about 900-1000 words each. 2x50 = 100

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो लगभग 900-1000 शब्दों का हो।

SECTION-A/ खण्ड A

1. Forgiveness and Compassion: A Human Bliss
   क्षमा और करुणा : एक मानवीय आनंद
2. Personal Development through Community Service.
   सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तिगत विकास
3. Diligence and Patience: Key to Success
   परिश्रम और धैर्य : सफलता की कुंजी
4. Impact of Mass Media on Public Opinion
   जनमत पर संचार मीडिया का प्रभाव

SECTION-B/ खण्ड - B

1. Online Banking: Pros and Cons
   ऑनलाइन बैंकिंग : फायदे और नुकसान
2. Welfare State: Instrumental or Detrimental to Society
   कल्याणकारी राज्य: समाज के लिए सहायक या हानिकारक
3. Veganism: Health trend or Ethical Necessity
   शाकाहार: स्वास्थ्य प्रवृति या नैतिक आवश्यकता
4. A Man is but the product of his thoughts and what he thinks he becomes
   एक मनुष्य अपने विचारों का परिणाम है और वह जो सोचता है वही बन जाता है